चौथे दिन करवाया लाठी और तलवारबाजी का अभ्यास

गोहाना मुद्रिका, 4 अगस्त : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय स्थित कन्या गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में छात्राओं के लिए चल रहे चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर के चौथे दिन का प्रारम्भ योग एवं प्राणायाम, लाठी अभ्यास, तलवारबाजी एवं मार्शल आर्ट्स के अभ्यास से हुआ।

चौथे दिन के बौद्धिक सत्र में आचार्य संदीप आर्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म एक व्यक्तिगत और सामाजिक परिवर्तन का मार्ग है, जो सत्य, अहिंसा, प्रेम, करुणा, आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता के माध्यम से व्यक्ति और समाज को बेहतर बनाता है।

प्रिंसिपल सुमिता सिंह ने कहा कि हमारी वैदिक संस्कृति में लाठी चलाना, तलवारबाजी,एवं आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों से प्राचीन काल से ही महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाता था।

उन्होंने कहा कि लाठी, तलवारबाजी एवं मार्शल आर्ट्स के अभ्यास के द्वारा हम गुरुकुल की छात्राओं को आत्मरक्षा, आत्म जागरूकता, आत्मविश्वास एवं शारीरिक क्षमताओं में सक्षम बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

शिविर में आत्मरक्षा का अभ्यास करती हुई छात्राएं।

चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर आयोजित

गोहाना, 4 अगस्त (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां के भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय स्थित कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, में छात्राओं के लिए चल रहे चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर के चौथे दिन का प्रारम्भ योग एवं प्राणायाम ,लाठी अभ्यास, तलवारबाजी एवं मार्शल आर्ट्स के अभ्यास से हुआ। चौथे दिन के बौद्धिक सत्र में आचार्य संदीप आर्य ने अपने वक्तव्य में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म एक व्यक्तिगत और सामाजिक परिवर्तन का मार्ग है, जो सत्य, अहिंसा, प्रेम, करुणा, आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता के माध्यम से व्यक्ति और समाज को बेहतर बनाता है। प्राचार्य श्रीमती सुमिता सिंह ने कहा कि हमारी वैदिक संस्कृति में लाठी चलाना, तलवारबाजी,एवं आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों से प्राचीन काल से ही महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाता था। उन्होंने कहा कि लाठी, तलवारबाजी, एवं मार्शल आर्ट्स के अभ्यास के द्वारा हम गुरुकुल की छात्राओं को आत्मरक्षा, आत्म जागरूकता, आत्मविश्वास एवं शारीरिक क्षमताओं में सक्षम बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

CAMPUS NOTES

CHARACTER-BUILDING CAMP HELD

Khanpur Kalan: A character building and Vedic consciousness camp for girl students recently began at Kanya Gurukul Senior Secondary School, Bhagat Phool Singh Women University, Khanpur Kalan. The programme was presided over by school principal Sumita Singh. Vice-Chancellor Sudesh, as the chief guest at the event, thanked Arya Veerangna Dal, Sonepat. The VC said, through the camp, self-confidence would be instilled in students.

स्कूल में छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

गोहाना| बीपीएस महिला विवि के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में छात्राओं के लिए चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर चौथे दिन भी जारी रहा। सोमवार को शिविर की शुरुआत योग एवं प्राणायाम के साथ हुई। इसके बाद छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। इस दौरान छात्राओं ने लाठी, तलवारबाजी एवं मार्शल आर्ट्स का अभ्यास किया। बौद्धिक सत्र में आचार्य संदीप आर्य ने कहा कि सनातन धर्म एक व्यक्तिगत और सामाजिक परिवर्तन का मार्ग है, जो सत्य, अहिंसा, प्रेम, करुणा, आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता के माध्यम से व्यक्ति और समाज को बेहतर बनाता है। प्राचार्य सुमिता सिंह ने कहा कि हमारी वैदिक संस्कृति में लाठी चलाना, तलवारबाजी एवं आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों से प्राचीन काल से महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाता था।

चौथे दिन करवाया लाठी और तलवारबाजी का अभ्यास

वैदिक चेतना शिविर में छात्राएं लाठी भांजने का अभ्यास करते हुए। *(अरोड़ा)*

गोहाना, 4 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय स्थित कन्या गुरुकुल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में छात्राओं के लिए चल रहे चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर के चौथे दिन का प्रारम्भ योग एवं प्राणायाम, लाठी अभ्यास, तलवारबाजी एवं मार्शल आर्ट्स के अभ्यास से हुआ।

चौथे दिन के बौद्धिक सत्र में आचार्य संदीप आर्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म एक व्यक्तिगत और सामाजिक परिवर्तन का मार्ग है, जो सत्य, अहिंसा, प्रेम, करुणा, आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता के माध्यम से व्यक्ति और समाज को बेहतर बनाता है।

प्रिंसीपल सुमिता सिंह ने कहा कि हमारी वैदिक संस्कृति में लाठी चलाना, तलवारबाजी एवं आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों से प्राचीन काल से ही महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाता था।

उन्होंने कहा कि लाठी, तलवारबाजी एवं मार्शल आर्ट्स के अभ्यास द्वारा हम गुरुकुल की छात्राओं को आत्मरक्षा, आत्म जागरूकता, आत्मविश्वास एवं शारीरिक क्षमताओं में सक्षम बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

छात्राओं ने सीखी तलवारबाजी

गोहाना। शिविर में आत्मरक्षा का अभ्यास करती छात्राएं।

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्व विद्यालय (विवि), खानपुर कलां स्थित कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए चल रहे चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर के चौथे दिन छात्राओं को तलवारबाजी, लाठी चलाना और मार्शल आर्ट्स के गुर सिखाए। छात्राओं ने योग एवं प्राणायाम का भी अभ्यास किया। चौथे दिन के बौद्धिक सत्र में आचार्य संदीप आर्य ने अपने वक्तव्य में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म एक व्यक्तिगत और सामाजिक परिवर्तन का मार्ग है जो सत्य, अहिंसा, प्रेम, करुणा, आत्मज्ञान और आध्यात्मिकता के माध्यम से व्यक्ति और समाज को बेहतर बनाता है।